जामिया मिल्लिया इस्लामिया
प्रेस विज्ञप्ति 06 अगस्त 2020
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया की आरसीए का अच्छा प्रदर्शन मेरे लिए गर्व की बात हैः डॉ नजमा हेपतुल्ला

मणिपुर की माननीय राज्यपाल और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलाधिपति, डा नजमा हेपतुल्ला ने यूपीएससी सिविल सेवा 2019 में चयन के लिए, विश्वविद्यालय की आवासीय कोचिंग अकादमी (आरसीए) के 30 सफल छात्रों को बधाई दी है।

डॉ हेपतुल्ला ने विश्वविद्यालय को भेजे अपने संदेश में कहा, "मैं अकादमी के सफल छात्रों, शिक्षकों और अधिकारियों को तहे दिल से बधाई देती हूं क्योंकि यह जामिया मिल्लिया इस्लामिया और मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।"

उन्होंने जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर और विश्वविद्यालय के अधिकारियों को भी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

डॉ हेपतुल्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा हाल ही में किए गए प्रदर्शन मूल्यांकन में 'उत्कृष्ट प्रदर्शन' का मानदंड हासिल करके अपनी सफलता के ताज में एक और मोती पिरोया है। इस प्रदर्शन से विश्वविद्यालय अपनी उम्मीदों पर खरा उतरा है।

उन्होंने कहा, "यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत सम्मान की बात है कि जामिया का आरसीए, विभिन्न संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे सभी सार्वजनिक कोचिंग सेंटरों में सबसे ज़्यादा सिविल सेवक पैदा कर रहा है और हम उम्मीद करतें हैं कि जामिया में और सुधार होगा।"

साल 2010-11 में हुई अपनी स्थापना से लेकर वर्ष 2019 तक जामिया आरसीए ने देश को 230 सिविल सेवक दिए हैं, जिनमें कई आईएएस, आईएफएस और आईपीएस शामिल हैं। इसके अलावा, 285 से अधिक छात्रों को विभिन्न अन्य केंद्रीय और राज्य सेवाओं यानी सीएपीएफ, आईबी, आरबीआई (ग्रेडबी), एपीएफ, बैंक पीओ और पीसीएस आदि के लिए भी चुना गया है। इस साल आरसीए के 14 छात्र, जम्मू-कश्मीर पीसीएस में शामिल हो चुके हैं। 24 छात्रों ने यूपीपीएससी और 15 ने बीपीएससी के साक्षात्कार के लिए क्वालिफाई किया है।

जामिया आरसीए की स्थापना 2010 में यूजीसी द्वारा सेंटर फॉर कोचिंग एंड करियर प्लानिंग (सीसीएंडसीपी) के तत्वावधान में हुई थी। इसका उद्देश्य एससी, एसटी, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के छात्रों को सिविल सेवाओं और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग के साथ आवासीय सुविधाएं प्रदान कराना हे।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक